

Dr. Ravshat Kumar

B.A. III

Sec. VII

CLASSMATE

Date

Page

3. सांख्यिकी की परिभाषा दीजिए और अन्य विज्ञानों से उसका संबंध स्थापित कीजिए। Define Statistics and establish its relation with other sciences)

लार्ड वेलिंग का उद्धरण है कि "जिस विषय किसे बात आप कर रहे हैं यदि आप उसका माप सकते हैं, और उसे श्रुतियों के माध्यम से प्रकट कर सकते हैं तो आप उसका बारे में कुछ जानते हैं; लेकिन जब आप उस विषय का माप नहीं कर सकते और उसे साध्या में प्रकट नहीं कर सकते तो समझ लिखित कि आपका ज्ञान अल्प है और वह भी असंबोधन प्रकृति है।"

~~When you~~ 1. "When you can measure what you are speaking about and express it in numbers, you know something about it, but when you cannot measure it, and you cannot express it in numbers, your knowledge is of a meagre and unsatisfactory nature."

सांख्यिकी का उद्गम एवं विकास (Evolution and Development :-

अंग्रेजी भाषा के शब्द 'Statistics' जर्मन भाषा के शब्द 'Statistik' और लैटिन भाषा के शब्द 'Statu' से लिया गया है जिसका अर्थ है - राज्य अथवा सरकार। कवि सैम्युअल जोन्स मिलर (W. Shakespeare) और मिलर (John Milton) तथा विलियम वॉल्सवर्थ (W. Wordsworth) आदि ने भी 'Statistics' शब्द का प्रयोग एक ऐसे व्यक्ति के लिए किया था जो राज्य से संबंधित लेखा-जोखा के कार्य में निपुण हो। वैसे 'Statistics' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम प्रयोग का जेथ जर्मनी के प्रसिद्ध गणिताचार्य गोटफ्रायड हेन-वाल (Gottfried Achenwall) जिन्होंने सांख्यिकी का जन्मदाता भी माना जाता है, को प्राप्त है। 1785 ई. पू. विश्वविद्यालय पिरमिन्डे का निर्माण हेतु मित्र के सम्राट द्वारा समझौते का सन्धिलेन कराया गया था। भारत में सांख्यिकी के अर्थशास्त्र, जुडे-वावरी और आर्कन-ए. अकबरी जैसे माध्य समझ-संग्रहण की कला की जीता-जागता उदाहरण पेश करते हैं।

इस प्रकार व्यवस्था समझने के लिए हमें इस बात का ध्यान करना और हमें
से सरल रूप में समझना चाहते हैं।

उपरोक्त परिभाषाओं से सामान्य विवेचनाएँ आसानी से

- (1) इन लोगों के अनुसार साहित्य की केवल एक ही विधा है, रूप में या भाषा की
विधाओं तक ही सीमित किया गया है। (ii) इन परिभाषाओं में साहित्य की
शक्तियों पर बहुत कम बल दिया गया है। जैसे जणना, भाषा, शब्दादि का ही
उल्लेख किया गया है। वास्तविकता तो यह है कि आज के युग में साहित्य
जैसे विज्ञान की केवल भाषा तक ही सीमित रखना असंभव है। इसका जका
धोरे के समतुल्य होगा। (iii) साहित्य की क्षेत्र को अत्यन्त सीमित
कर दिया गया है।

आधुनिक मत (विद्वत् दृष्टिकोण) वाली परिभाषाएँ:- इस
वर्ग के मतों में वे परिभाषाएँ वर्गीकृत की जाती हैं जिनमें साहित्य की विज्ञान
को एक विद्वत् या व्यापक रूप में स्वीकार किया गया है। ऐसी कुछ परि-
भाषाओं का हम नीचे अध्ययन करेंगे:-

किंग (W. H. King) :- "जणना या अनुमानों के संग्रह के
विश्लेषण द्वारा प्राप्त परिणामों से साधुतिक, प्राकृतिक अथवा सामाजिक
घटनाओं पर निर्णय करने की शक्ति को साहित्यी विज्ञान कहते हैं।"
पी. एच. कारमेल (P. H. Carmel) :- "साहित्य की

विषय उन समूहों के संग्रह, प्रकृति, वर्णन और विश्लेषण से सम्बन्ध
रखता है, जो स्वयं के रूप में मापित किये जाते न हो सकते हैं।"
लॉरेंट (Loring) :- "साहित्य वह विज्ञान है, जो स्वयं (

सबसे अधिक तथ्यों के संग्रह, वर्गीकरण और खोजों से सम्बन्ध रखता है।
जो घटनाओं की व्याख्या करता है और तुलना के लिए आधार-
स्वरूप प्रयोग हो सके।"

सेलिगमेन (Seligman) :- "साहित्य की वह विज्ञान है जो

किसी विषय पर प्रकाश डालने के उद्देश्य से संग्रहित किये गये आँकड़ों के
खोज, वर्गीकरण, प्रदर्शन, तुलना और व्याख्या करने की शक्तियों का
विवेचन करता है।"